VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 31 AUG 2022 No. 3

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1830)

Name of Candidate	SHASHI SHEKHAR		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	742438
Center	M. NAGAR	Date	31/08/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
4(c)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** According to you, what are the main reasons behind prejudice against certain sections of a society? Discuss with examples. **(150 words) 10**

आपके अनुसार समाज के कुछ वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह के पीछे मुख्य कारण क्या हैं? उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

पूर्वाग्रह का तात्पर्य व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह या समुदाय के प्रति एक ऐसी धारणा के विकास से है, जो वस्तुनिष्ठता एवं तार्किकता से परे होती है।

कुछ वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह के कारण

- व्यक्तियों द्वारा किस सामाजिक परिवेश में रहना, इसका प्रभाव, जैसे- अगर कोई कट्टर धार्मिक विश्वास वाले पर्यावरण में रहता है तो अन्य धार्मिक विश्वासों के प्रति पूर्वाग्रह आने की संभावना
- ऐतिहासिक धारणाओं तथा मान्यताओं के प्रभाव से भी पूर्वाग्रह का विकास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

संभव है। जैसे - यहूदियों के प्रति मध्यपूर्व एशियाई समाजों में पूर्वाग्रह

- कानूनों तथा विधिक आयामों से पूर्वाग्रह का जन्म, जैसे - खानाबदोश तथा घुमंतु जनजातियों के संदर्भ में ब्रिटिशकालीन कानूनों का प्रभाव

- सामाजिक प्रगतिशीलता तथा यूरोपीय विचारधारा के प्रति सकारात्मक सोच का अभाव का परिणाम, जैसे - कुछ अनुसूचित जनजातियों के द्वारा गंदगी/अस्वच्छता में रहने को सामाजिक मान्यता

- अधिक से तार्किकता का अभाव

सामाजिक कल्याण आधारित न्याय तथा व्यक्तियों के राजनीतिक - आर्थिक उत्थान हेतु पूर्वाग्रह की जगह तटस्थ वैज्ञानिक सोच तथा तार्किकता का विकास होना चाहिए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Discuss how persuasion acts as a functional pillar in attitudinal change and attitude formation with requisite examples. **(150 words) 10**

उचित उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए कि अनुनय (या समझाना-बुझाना) किस प्रकार अभिवृत्ति में बदलाव और अभिवृत्ति के निर्माण में एक व्यावहारिक स्तंभ के रूप में कार्य करता है।

अनुनय वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों के अभिवृत्ति में बदलाव करने का प्रयास किया जाता है।

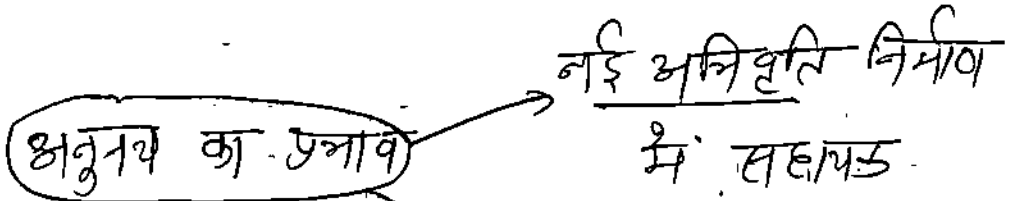

अनुनय द्वारा अभिवृत्ति में बदलाव/निर्माण

— चूंकि व्यक्ति को सामान्यतः कई स्थितियों में तार्किक माना गया है, अतः अगर तर्क एवं बुद्धिमत्ता आधारित अनुनयन हो तो अन्य के अभिवृत्ति बदलाव में सहायक हो सकता है।

— अनुनय करने वाली विचार/व्यक्ति का

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अगर खुद उस मूल्य में विश्वास हो तो श्रोता पर सकारात्मक बदलाव संभव, जैसे- महात्मा गाँधी द्वारा सत्याग्रह एवं अहिंसा जनित आंदोलनों की व्यापक जन स्वीकार्यता

— अनुनय के पीछे के अंतर्निहित आधारों की व्याख्या एवं उसके दुष्परिणामों के प्रति जनता में जागरूकता, जैसे- कोविड-19 के रक्षात्मक प्रयासों में मास्क तथा सैनिटाइजर इस्तेमाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना

— नेतृत्व द्वारा खुद सत्यनिष्ठा, तार्किकता, संवेदना, समर्पण, वस्तुनिष्ठता जैसे मूल्यों को बढ़ावा देने से जन समाज पर भी इसे अपनाने हेतु आकांक्षा

दंड की अपेक्षा अनुनयन कहीं अधिक सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक हो सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** A legally enforceable code of ethics for civil servants, which not only prescribes the ethical values they must display in their public life but also provides sanctions for violations of these values, is the need of the hour. Discuss. **(150 words) 10**

लोक सेवकों के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य एक नीतिपरक आचार संहिता, जो न केवल उनके सार्वजनिक जीवन में प्रदर्शित होने वाले नैतिक मूल्यों को निर्धारित करती हो, बल्कि उन मूल्यों के उल्लंघन के लिए दण्ड भी निर्धारित करती हो, वर्तमान समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

नीतिपरक आचार संहिता के अंतर्गत ऐसे नैतिक मूल्यों के आचरण के प्रति आकांक्षा रहती है, जो एक लोकसेवक हेतु होनी चाहिए।

वर्तमान में केंद्रीय सिविल सेवा आचरण नियमावली तथा संथानम समिति एवं द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा दी गई सलाहकारी नीतिपरक आचार संहिता का आयाम इस संदर्भ में आता है।

कानूनी प्रवर्तनीय नीतिपरक आचार संहिता के लाभ

— लोकसेवकों की जवाबदेहिता को व्यापक स्पष्ट एवं व्यापक रूप से सुनिश्चित करना संभव

- लोकसेवकों के कार्यों में पारदर्शिता लाने के प्रयासों को विधिक समर्थन मिलेगा

- गैर-पक्षपातपूर्ण व्यवहार एवं भेदभावरहित कार्यान्वयन को बढ़ावा

- सार्वजनिक सेवाओं के निष्पादन में तटस्थता, समर्पण, सहानुभूति एवं संवेदना जैसे मूल्यों को ज्यादा प्रभावी रूप से सुनिश्चित एवं प्रवर्तनीय बनाना संभव होगा।

- सिविल सेवक मूल्यों के गैर-अनुपालन तथा उल्लंघन की दशा में दंड का प्रावधान करके लोकसेवकों के उनके कर्तव्यों के प्रति ज्यादा सजग प्रदर्शन करने हेतु बाध्यता रहेगी।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल आधारित भ्रष्टाचार सूचकांक में हमारी भ्रष्ट स्थिति को सुधारने हेतु इस आयाम पर कार्य करना होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** Although open and transparent governance has gained ground, do you agree with the view that there is merit in withholding some information from people? Justify your arguments with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, खुले और पारदर्शी शासन ने लोकप्रियता हासिल कर ली है, फिर भी क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि लोगों से कुछ जानकारी छिपाने में ही भलाई है? उदाहरणों के साथ अपने तर्कों की पुष्टि कीजिए।

21 वीं सदी के वर्तमान डिजिटल विश्व में सुशासन प्राप्ति में सूचना का अधिकार तथा शासन में पारदर्शिता एक आवश्यक आयाम बना हुआ है।

पारदर्शिता तथा खुलापन का शासन में महत्व

- लोकसेवकों के उनके कर्तव्यों की औचित्यता सिद्ध करके पारदर्शिता बढ़ाना।
- जनता तक कार्यक्रमों/नीतियों के पीछे के तर्काधारों का पहुँचाना
- भ्रष्टाचार निवारण में सहायक
- जवाबदेहिता बढ़ोतरी में सहायक
- सुशासन एवं सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शासन संचालन में गोपनीयता की आवश्यकता

- राष्ट्रीय सुरक्षा तथा देश की एकता एवं अखंडता पर प्रभाव डालने वाली महत्वपूर्ण सूचनाओं में गोपनीयता आवश्यक

- लोक व्यवस्था तथा सार्वजनिक ऑर्डर बरकरार रखने में, जैसे- किसी धार्मिक हत्याकांड में आरोपी के दूसरे धर्म के होने पर सूचना उजागर होने पर शांति-व्यवस्था को खतरा पड़ने की ~~आवश्यकता~~ आशंका

- शासन संचालन प्रक्रिया की सुगमता तथा त्वरित सार्वजनिक सेवा निष्पादन हेतु

हालांकि गोपनीयता हेतु वस्तुनिष्ठ एवं ज्यादा तार्किक मानक अपनाना होगा। इस संदर्भ में RTI एक्ट एवं शासकीय गोपनीयता एक्ट के मध्य समन्वय बनाने के प्रयास की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Although bribery is illegal and counterproductive, public officials still demand bribes, and executives in the private sector remain tempted to pay up. In this context, discuss ways in which corporations can build a framework to eliminate the practice of offering kickbacks.

(150 words) 10

हालांकि, रिश्वतखोरी गैर-कानूनी और हानिकर है, लेकिन सरकारी अधिकारी अभी भी रिश्वत की मांग करते हैं और निजी क्षेत्र के कार्यकारी अधिकारी इसका भुगतान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस संदर्भ में, उन तरीकों पर चर्चा कीजिए जिनसे निगम रिश्वत देने की प्रथा को समाप्त करने के लिए एक ढांचा तैयार कर सकते हैं।

अपने व्यवसायिक तथा निजमीय लाभों एवं आकांक्षाओं हेतु सार्वजनिक सेवकों का अवैध तथा अनुचित वित्तीय लाभ की पेशकश या उनके द्वारा खुद मांग भ्रष्टाचार के अंतर्गत आती है।

भ्रष्टाचार के जारी रहने के कारण

- विधायी एवं कानूनी प्रयासों में व्यापक आक्रामकता ना होना
- एजेंसियों की बहुलता तथा उनमें समन्वयन का अभाव
- कठोर दंड का ना होना
- व्यक्तिगत नैतिकता का ह्रास
- सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में भ्रष्टाचार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निगमों द्वारा रिश्वत समाप्ति हेतु उपाय/उपाय

- अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के एक भाग के रूप में रिश्वत ना देने के प्रति कठोर आंतरिक मूल्य विकसित करना एवं उसकी स्पष्ट घोषणा करना
- अपने कर्मचारियों का भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिबद्धता तथा कंपनी के रिश्वतखोरी मूल्यों के अनुरूप प्रशिक्षित करना
- कर्मचारियों के आंकलन में प्रदर्शन आधारित आंकलन की जगह मूल्य एवं समर्पण आधारित प्रदर्शन आंकलन की व्यवस्था अपनाना।

इस संदर्भ में कंपनियों द्वारा भ्रष्टाचार रोधी एजेंसियों का सहयोग एवं समन्वय लेना तथा मीडिया की सहायता लेकर एक प्रभावी तंत्र विकसित किया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Identifying the issues associated with utilization of public funds, discuss the various ethical principles which can help devise strategies for better utilization of public funds in India. **(150 words) 10**

सार्वजनिक धन के उपयोग से जुड़े मुद्दों की पहचान करते हुए, उन विभिन्न नैतिक सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए जो भारत में सार्वजनिक धन के बेहतर उपयोग के लिए रणनीति तैयार करने में सहायता कर सकते हैं।

जनता से करों एवं शुल्कों के द्वारा संग्रहित तथा कंपनियों/संगठनों से एकत्रित विधिक राशि को सार्वजनिक धन कहा जाता है।

सार्वजनिक धन के उपयोग से जुड़े मुद्दे

- बिना तार्किक एवं वस्तुनिष्ठ आधारों के अनर्क खर्च संबंधी योजनाओं का निर्माण।
- भ्रष्टाचार आधारित निर्णय
- चुनावी वादों के रूप में लोक लुभावन घोषणाओं पर जनता के पैसों की बर्बादी
- FRBM अधिनियम पर प्रतिकूल प्रभाव
- शासन में पारदर्शिता तथा जवाबदेही से बचने की मंशा
- देश के आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सार्वजनिक धन बेहतर उपयोग हेतु नैतिक सिद्धांत

- राजनीतिक दलों तथा लोकसेवकों के मध्य सत्यनिष्ठा प्रोत्साहन उपायों की विधिक स्वीकृति हेतु ढांचा निर्माण
- कैग तथा अन्य ऑडिट एजेंसियों के द्वारा उठाए गए मुद्दों के प्रति जवाबदेहिता बनाना
- खर्चों के पीछे के औचित्यता पर प्रश्न उठाने हेतु जनता की राय जानने के लिए संस्थागत तंत्र का प्रावधान
- FRBM कानून के प्रति सभी मंत्रालयों/विभागों की जवाबदेही सुनिश्चित करना

सार्वजनिक धन का तर्कपूर्ण तथा समावेशी खर्च सुनिश्चित करना ना सिर्फ सामाजिक कल्याण हेतु आवश्यक है, बल्कि यह सुशासन, आर्थिक समृद्धि तथा लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास को सुदृढ़ करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What do each of the following quotations mean to you?
निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "All persons ought to endeavour to follow what is right, and not what is established." — Aristotle **(150 words) 10**

"सभी व्यक्तियों को जो सही है उसका पालन करने का प्रयास करना चाहिए, न कि जो स्थापित है उसका पालन करना चाहिए।" - अरस्तू

प्रस्तुत कथन के माध्यम से अरस्तू ने नैतिक मूल्यों की स्वीकार्यता तथा व्यक्ति के अंतःकरण की महत्ता बताने का प्रयास किया है।

जो सही है, उसके पालन करने से ना सिर्फ नैतिकता सुनिश्चित होती है, बल्कि सामाजिक प्रगतिशीलता को बढ़ावा भी मिलता है। नैतिक रूप से सही कृत्य व्यक्ति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। परिवार के साथ व्यक्ति का यह मूल्य अंततोगत्वा सामाजिक स्तर पर पहुँचता है, जहाँ से यह नई सामाजिक मूल्य बन जाता है।

हालांकि, स्थापित मूल्यों की भी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक स्वीकार्यता रहती है लेकिन समय के साथ परिवर्तनशील ना हो पाने से यह एक रूढ़िवादी मूल्य रह जाता है।

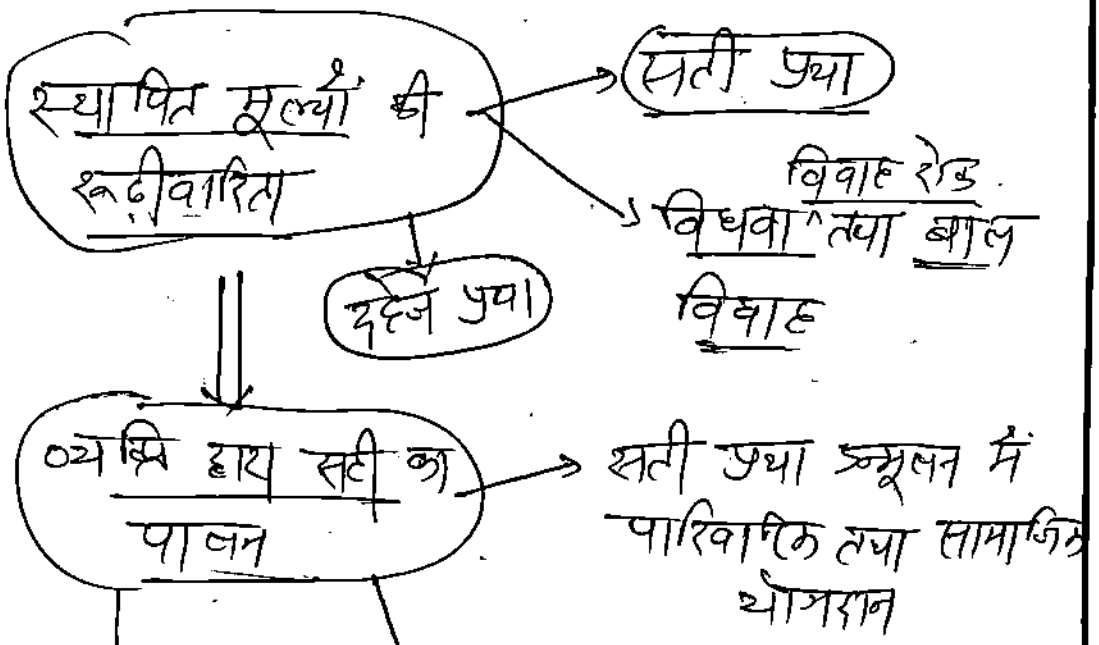

समय के साथ सामाजिक गतिशीलता बनाए रखने एवं रूढ़िवादी मूल्यों में बदलाव हेतु यह आवश्यक है कि व्यक्ति को सही का पालन करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) "It is compassion, the most gracious of virtues, which moves the world."
— Tiruvalluvar, Kural **(150 words) 10**

"करुणा, जो सबसे उदार सद्गुण है, विश्व को संचालित करती है।" - तिरुवल्लुवर, कुरल

प्रस्तुत कथन में कुरल ने करुणा को सबसे महत्वपूर्ण तथा उदार सद्गुण के रूप में वर्णित किया है।

करुणा, मानवीय जीवन का एक ऐसा अंतर्निहित मूल्य है जो मानव को एक प्राकृतिक रूप से नैतिक तथा सद्गुणी बनाने का प्रयास करती है। करुणा रूपी मनुष्य को ना सिर्फ अपने कर्तव्यों के निर्वहन में नैतिक वैधता मिलती है बल्कि मूल्यों के टकराव अथवा नैतिक दुविधा की स्थिति में आगे बढ़ने हेतु एक रास्ता देती है।

विश्व में अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था तथा प्रगतिशीलता बनाए रखने हेतु राष्ट्रों को नैतिक मानदंडों पर चलने की जरूरत होती है। एक राष्ट्र तभी नैतिक मानदंड

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बनाए रखेगा, जब उसके लोकसेवकों एवं राजनीतिक-प्रशासनिक कार्यबल में अन्य के प्रति करुणा आधारित सहयोग एवं समन्वय की भावना रहेगी।

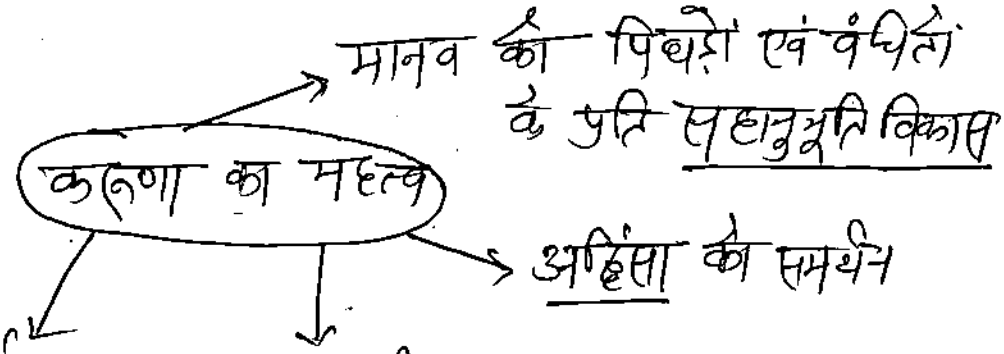

मनुष्य में कई सारे सद्गुण विद्यमान होते हैं, लेकिन अगर करुणा का अभाव रहा तो नैतिक दुविधा की स्थिति में उचित निर्णय लेना थोड़ा कठिन हो जाएगा। साथ ही, सभी के प्रति दया, सहानुभूति, संवेदना एवं समर्पण का विकास भी करुणा के माध्यम से संभव है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (c) "I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." — Mahatma Gandhi **(150 words) 10**
"मैं लोकतंत्र को एक ऐसी व्यवस्था के रूप में समझता हूँ जो कमजोर को मजबूत के समान अवसर प्रदान करती है।" - महात्मा गांधी

गाँधीजी ने उपरोक्त कथन के द्वारा समानता आधारित सामाजिक-राजनीतिक परिवेश के निर्माण में लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं मूल्यों की महत्ता बतायी है।

लोकतंत्र के मर्म में ही जनता के लिए, जनता द्वारा शासन की अवधारणा है। अतः यहां जनता के मध्य समानता होना महत्वपूर्ण है।

असमान सामाजिक आर्थिक परिवेश में जनता की सोच तथा उसके वोटिंग अधिकारों को अलग-2 ढंग से प्रभावित करना संभव है। गांधीजी के समाज में ट्रस्टीशिप की अवधारणा थी जिसके तहत संपत्ति तथा आर्थिक मूल्यों को व्यक्तिगत न मानते हुए सामाजिक व्यवस्था के अंतर्गत रखा गया था।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

दृष्टिकोण के मूल में ही सामाजिक समानता आधारित व्यवस्था समाहित है।

लोकतंत्र के द्वारा समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं तथा उनके समावेशी एवं चहुँमुखी विकास हेतु कदम उठाया जाता है। अगर अवसर की समानता नहीं रहेगी, तब राजनैतिक, आर्थिक एवं सामाजिक न्याय मिलने में मुश्किल आयेगी।

हमारे संविधान की प्रस्तावना में वर्णित आदर्शों, मूल्यों एवं प्रतिबद्धताओं के द्वारा भी गांधीजी के इस कथन की औचित्यता बतायी गई है। लोकतांत्रिक व्यवस्था द्वारा इसी के अनुरूप अवसर की समता एवं समानता स्थापित करने हेतु विविध प्रयास किए जाते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) "A well-developed Emotional intelligence is not only an instrumental tool in accomplishing goals, but has a dark side as a weapon for manipulating others by robbing them of their capacity to reason." Analyse.
(150 words) 10

"एक सुविकसित भावनात्मक बुद्धिमत्ता न केवल लक्ष्यों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, अपितु इसका एक नकारात्मक पक्ष यह है कि यह दूसरों की तर्क करने की क्षमता को समाप्त करके उन्हें धोखा देने के लिए एक हथियार भी है।" विश्लेषण कीजिए।

अपनी तथा दूसरों की भावनाओं की पहचान करके तथा उसपर समझ बढ़ाकर उनका प्रबंधन करना भावनात्मक बुद्धिमत्ता के अंतर्गत आता है

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से लाभ

- भावनाओं की पहचान एवं समझ का विकास करने से व्यवहारिक स्तर पर कार्यों के निष्पादन में सहायता
- टारगेट ऑडियेंस से ज्यादा बेहतर तरीके से जुड़ पाना एवं अपनी बात को प्रभावी रूप से समझाना
- पर्सुएशन/अनुनयन में सहायता
- लक्षित वर्ग को करने में अपने सह-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कर्मियों तथा अन्य हितधारकों का प्रभावी सहयोग तथा समन्वय सुनिश्चित करना

नकारात्मक पक्ष

- भावनाओं की पहचान / प्रबंधित करने की क्षमता से अपने अनुरूप सोच ~~तथा~~ को बढ़ावा
- लक्षित समूहों के मध्य निर्विवाद नेता के रूप में पहचान स्थापित करना
- भीड़ की तार्किक क्षमता समाप्त करके उनकी मौलिक सोच पर प्रतिकूल प्रभाव
- अपने छिपे हुए एजेंडे को प्रसारित तथा बढ़ावा देने में भूमिका

भावनात्मक बुद्धिमता के उपरोक्त नकारात्मक आयामों के मद्देनजर व्यक्तियों के अंदर खुद तार्किकता तथा वस्तुनिष्ठ विश्लेषण क्षमता के विकास की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** What do you understand by conformity, compliance and obedience? Discuss their relevance in the context of civil services in India.

(150 words) 10

स्वीकार्यता, अनुपालन और आज्ञाकारिता से आप क्या समझते हैं? भारत में लोक सेवाओं के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

स्वीकार्यता → इसके अंतर्गत प्रचलित मूल्यों, विश्वासों, प्रथाओं तथा प्रणालियों के प्रति व्यक्ति/समूह के समर्थन की सोच है इसमें सामान्यतः ज्यादा गहराई आधारित तार्किक विश्लेषण का अभाव रहता है

अनुपालन → इसके अंतर्गत किसी स्थापित विधि, विनियमन, नियम आदि के प्रति व्यक्ति/संगठन/समूह के कर्तव्य-पालन की भावना होती है

आज्ञाकारिता → किसी संगठन/समाज/समूह या सरकार के आदेश, निर्देश तथा नियमों के प्रति व्यक्ति की कार्य निष्पादन प्रणाली आज्ञाकारिता के अंतर्गत आती है इसमें प्रश्न ना उठाते हुए आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का प्रयास किया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाता है।

लोकसेवाओं के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता

- लोकसेवाओं में स्वीकार्य मूल्यों की जगह नैतिकता एवं वैधानिकता आधारित अनुपालन पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।
- हालांकि, सामाजिक रूप से स्वीकार्य प्रथाओं तथा मूल्यों के प्रति व्यवहारिक एवं रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए भावनात्मक बुद्धिमत्ता का सहारा लेने का प्रयास होना चाहिए।
- अनुपालन संबंधी कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी औचित्यता तथा प्रयोगिकता पर भी ध्यान देने का प्रयास होना चाहिए।
- आज्ञाकारिता, जवाबदेहिता एवं पारदर्शिता हेतु आवश्यक

लोकसेवाओं की प्रभावी निष्पादन क्षमता हेतु उपरोक्त आयामों की महत्ता महत्वपूर्ण है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) Though the internal control systems in India are impressive on paper, they have not worked well in curbing the issue of corruption in the administration. Comment. Also, discuss the various reasons for the same.
(150 words) 10

हालांकि, भारत में आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ कागज़ पर प्रभावशाली हैं, फिर भी वे प्रशासन में भ्रष्टाचार की समस्या को रोकने में ठीक से काम नहीं कर सकी हैं। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, इसके विभिन्न कारणों पर भी चर्चा कीजिए।

भ्रष्टाचार की समस्या के अंतर्गत अवैध तथा अनुचित लाभों के बदले अपने सार्वजनिक सेवा निष्पादन में समझौता करना है

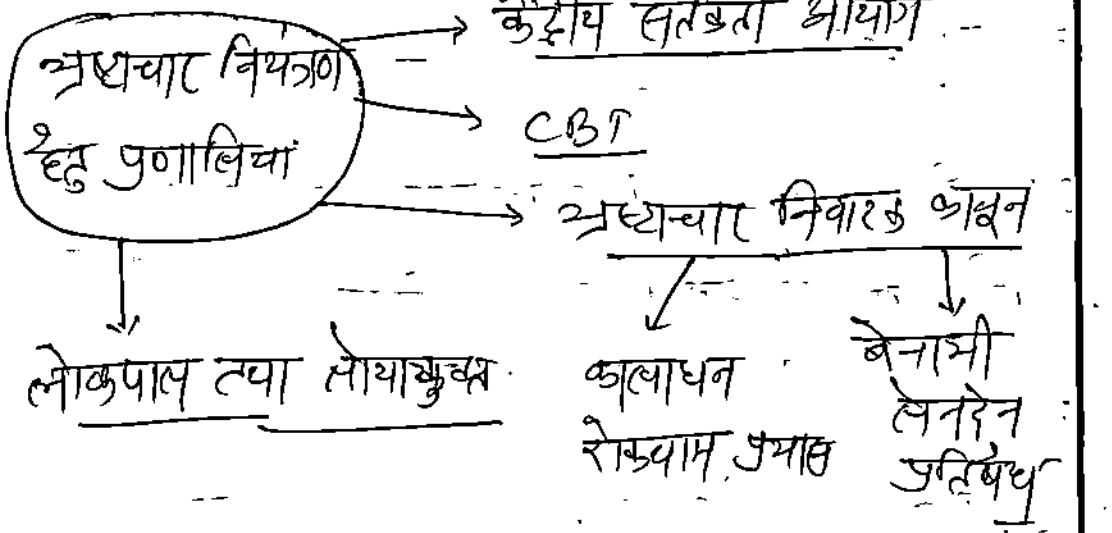

उपरोक्त प्रणालियों के बावजूद भ्रष्टाचार के कारण

- एजेंसियों की बहुलता से इनके मध्य सहयोग तथा समन्वयन में कमी
- इन तंत्रों की स्वायत्तता की जगह प्रशासनिक इकाईयों से ही इनमें कार्यबल का आना
- रोकथाम उपायों में कठोरतम मानकों तथा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभावी दंड का अभाव
- लोकसेवकों को प्रदत्त कानूनी तथा संवैधानिक कवच
- राजनेताओं के साथ अवैध गठजोड़
- भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता
- एजेंसियों को पर्याप्त स्वायत्तता नहीं

हालांकि, उपरोक्त चुनौतियों के बावजूद इनकी प्रभावशीलता है, जैसे -

- 2G स्कैम, राष्ट्रमंडल घोटाला, आदि बड़े मामलों की पहचान तथा जांच
- भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के खिलाफ CBI, ED, विजिलेंस का डर बना रहना
- अलग से फास्ट ट्रैक अदालतों के माध्यम से त्वरित न्याय

एजेंसियों की क्षमता, स्वायत्तता एवं दक्षता बढ़ाते हुए चुनौतियों का समाधान करना होगा। इनमें इनकी वर्तमान प्रभावशीलता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** There is broad consensus that the state has failed to effectively deliver public services to its citizens, particularly the poor. In this context, discuss the need for providing incentives, building state capacity and ensuring transparency for better service delivery. **(150 words) 10**

इस विषय पर व्यापक सहमति है कि राज्य अपने नागरिकों, विशेष रूप से गरीबों को प्रभावी ढंग से सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने में विफल रहा है। इस संदर्भ में, बेहतर सेवा प्रदायगी के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने, राज्य की क्षमता का निर्माण करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

राज्य के द्वारा अपने नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधा एवं देखभाल, शिक्षा, आर्थिक अवसर, न्याय, समानता जैसी सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति की जाती है।

गरीबों को इनकी प्रभावी प्रदायगी संबंधी विफलता

- अभी भी गरीबी, असमानता तथा भुखमरी का व्यापक रूप में बना रहना
- आर्थिक संवृद्धि का लाभ समावेशी ना हो पाना।
- प्रति व्यक्ति आय बाकी कम रहना
- न्यायपालिका में लंबित मुकदमें
- विभिन्न रिपोर्टों/इंडेक्स में भारत का पिछड़ापन

बेहतर सेवा प्रदायगी के माध्यम तथा लाभ

- सार्वजनिक सेवा निष्पादन से जुड़े लोकसेवकों को निजी संगठनों की तरह प्रदर्शन-निष्पादन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आधारित लाभ/बोनस देना ⟶ इससे कार्य-कुशलता, निष्पादन क्षमता तथा गतिशीलता में वृद्धि

— राज्य की क्षमताओं का निर्माण

- अवसंरचनात्मक तथा पूंजीगत व्यय करना।
- सामाजिक समावेशी संरचना/नीति-निर्माण
- पर्यावरणीय रूप से सतत कार्यों को बढ़ावा

इससे जवाबदेही के साथ आर्थिक-सामाजिक कल्याण सुनिश्चित होगा।

— पारदर्शिता के माध्यम से कार्यों की औचित्यता एवं उनसे जुड़े परिणामों की बेहतर समझ ⟶ इससे सुशासन तथा कल्याण को बढ़ावा

उपरोक्त आयामों के अंतर्गत राज्य द्वारा विभिन्न संस्थागत तथा विधायी-कानूनी प्रयास करने की आवश्यकता है। यह सुशासन, सामाजिक कल्याण तथा सतत विकास लक्ष्यों को बढ़ावा देगा।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. You are the principal of a college which has a long history of student politics. However, due to your personal belief, you are not in favour of conducting student elections and thus have kept the process of yearly student elections pending without any official announcement. While you are mulling over the decision of not conducting elections, you get representation from some professors as well as students who criticize the activities of student unions as obstructive to the academic environment of the college. Some time later, student leaders also come to talk to you regarding conduct of elections, and you tell them about the representation received by you against allowing student elections. You further tell them that you are contemplating suspending all activities related to student politics in the campus. On hearing this, student leaders become aggressive and start sloganeering and destroying college property. In this context, answer the following questions:

(a) What are the issues involved in the case above?

(b) How can you separate your personal ethics from professional ethics?

(c) How would you deal with this situation? **(20)**

आप एक ऐसे कॉलेज के प्रिंसिपल हैं जिसका छात्र राजनीति का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि, अपने व्यक्तिगत विश्वास के कारण, आप छात्र चुनाव कराने के पक्ष में नहीं हैं और इस प्रकार आपने वार्षिक छात्र चुनाव की प्रक्रिया को बिना किसी आधिकारिक घोषणा के लंबित रखा है। जब आप चुनाव न कराने के निर्णय पर विचार कर रहे होते हैं, तो आपसे कुछ प्रोफेसर के साथ-साथ छात्रों का एक प्रतिनिधि मंडल मिलता है, जो छात्र संघों की गतिविधियों की कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण में बाधक के रूप में आलोचना करते हैं। कुछ समय बाद, छात्र नेता भी चुनाव के संचालन के संबंध में आपसे बात करने के लिए आते हैं और आप उन्हें छात्र चुनावों की अनुमति के विरुद्ध आपसे मिले प्रतिनिधि मंडल के बारे में बताते हैं। आप आगे उन्हें यह भी बताते हैं कि आप कैंपस में छात्र राजनीति से जुड़ी सभी गतिविधियों को बंद करने पर विचार कर रहे हैं। यह सुनते ही छात्र नेता आक्रामक हो जाते हैं तथा नारेबाजी और कॉलेज की संपत्ति को नष्ट करने लगते हैं। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में कौन-से मुद्दे शामिल हैं?

(b) आप अपनी व्यक्तिगत नैतिकता को पेशेवर नैतिकता से कैसे पृथक कर सकते हैं?

(c) आप इस स्थिति से कैसे निपटेंगे?

इस केस स्टडी में छात्र राजनीति संबंधी कॉलेज की गतिविधियों का मुद्दा है।

⇒ संबंधित हितधारक → मैं, प्रिंसिपल

- छात्र → समर्थक / विरोधी
- छात्र संगठन
- कॉलेज के प्रोफेसर्स का समूह
- कानून-व्यवस्था प्रवर्तन एजेंसियां

b) **प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे**

- मेरी व्यक्तिगत सोच बनाम पेशेवर व मूल्य
- आधिकारिक घोषणा के बिना चुनाव स्थगन
- शैक्षणिक गतिविधियों में बाधा का आयाम
- चुनावी प्रक्रिया में कानून-व्यवस्था
- छात्र राजनीति बनाम शिक्षण/पठन-पाठन
- हिंसा
- संपत्ति/सार्वजनिक धन की बर्बादी
- आक्रामकता बनाम भावनात्मक (नमक्ष

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

b) चूंकि चुनाव ना करवाना मेरा व्यक्तिगत सोच तथा निर्णय है इसमें संस्थागत प्रक्रियाओं तथा पेशेवर प्रतिबद्धताओं के मेरे द्वारा पालन ना करने का भी संदर्भ आ रहा है।

व्यक्तिगत नैतिकता बनाम पेशेवर नैतिकता

- मैं, वहां एक कॉलेज का प्रिंसिपल हूं, अतः व्यक्तिगत मूल्य तथा सोच की जगह पद आधारित कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- मैं इस संदर्भ में पिछले चुनावों की संचालन प्रक्रिया एवं नियमावली का अध्ययन करूंगा, ताकि पद आधारित कर्तव्यों की पहचान संभव हो सके।
- सहायता हेतु प्रत्यक्ष पक्ष एवं हितधारकों के साथ वार्ता हेतु एक समिति का निर्माण

c) ① सर्वप्रथम, मैं इस संदर्भ में विगत नियमों तथा प्रक्रियाओं का अध्ययन करने हेतु एक समिति का गठन करूँगा।

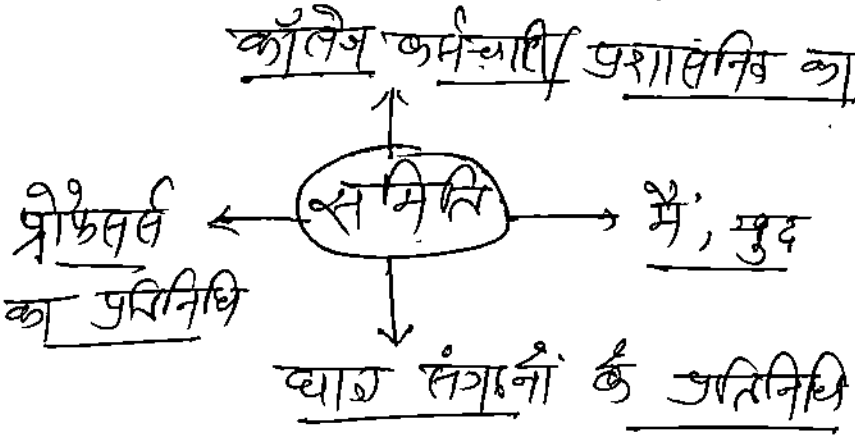

कॉलेज कर्मचारी/ प्रशासनिक कार्यबल
↑
प्रोफेसर्स का प्रतिनिधि ← समिति → मैं, स्वयं
↓
छात्र संगठनों के प्रतिनिधि

② तदनुसार, प्रक्रियाओं तथा नियमों का अध्ययन एवं विचार करके एक आम सहमति बनाने का प्रयास करूँगा।

③ अगर निर्णय चुनाव-संचालन का रहा तो इस संबंध में प्रशासनिक-पुलिस सहयोग तथा छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करके एक नियम आधारित चुनाव हेतु घोषणा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) कॉलेज संपत्ति नष्ट करने तथा हिंसा के विरुद्ध पुलिस-प्रशासन का सहयोग मांगना तथा दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई हेतु सिफारिश करूंगा।

हालांकि छात्र-राजनीति से कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण पर कुछ असर पड़ सकता है, लेकिन इससे भी ना कहीं भागीदारी आधारित प्रोत्साहन तथा लोकतांत्रिक प्रशिक्षण भी संभव होगा। अतः नियम-आधारित कार्रवाई इस संबंध में मेरे द्वारा किया जाना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Capital punishment, or "death penalty," is an institutionalized practice designed to result in deliberately executing persons in response to actual or supposed misconduct and following an authorized, rule-governed process to conclude that the person is responsible for violating norms that warrant execution. Punitive executions have historically been imposed by diverse kinds of authorities, for an expansive range of conduct, political or religious beliefs and practices, for a status beyond one's control, or without employing any significant due process procedures. Punitive executions also have been and continue to be carried out more informally, such as by terrorist groups, urban gangs, and mobs. For centuries in Europe and America, discussions have focused on capital punishment as an institutionalized, rule-governed practice of modern states and legal systems governing serious criminal conduct and procedures. In light of the above debate of capital punishment, answer the following questions:

(a) What are the arguments in favour of and against having capital punishment in the criminal justice system?

(b) Do you think capital punishment has a place in modern civilised society? Examine in the context of moral implications involved in awarding it.

(20)

फांसी या 'मृत्युदंड', एक संस्थागत प्रक्रिया है, जिसे वास्तविक या कथित कदाचार की प्रतिक्रिया में जानबूझकर व्यक्तियों को प्राणदंड देने हेतु डिजाइन किया गया है और इसके लिए एक प्राधिकृत, नियम-आधारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है ताकि इस नतीजे पर पहुँचा जा सके कि व्यक्ति उन मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार है जो प्राणदंड का प्रावधान करते हैं। मृत्युदंड, ऐतिहासिक रूप से विभिन्न प्रकार के अधिकारियों द्वारा आचरण, राजनीतिक या धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए, किसी के नियंत्रण से परे स्थिति के लिए या किसी भी महत्वपूर्ण स्थापित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना भी दिया जाता रहा है। मृत्युदंड का विभिन्न समूहों द्वारा अधिक अनौपचारिक रूप से पालन किया जाता है और वर्तमान में भी इसे जारी रखा गया है, जैसे कि आतंकवादी समूहों, शहरी गिरोहों और भीड़ द्वारा। यूरोप और अमेरिका में सदियों से जारी चर्चाओं ने आधुनिक राज्यों के संस्थागत व नियम-आधारित प्रक्रिया तथा गंभीर आपराधिक आचरण और कार्रवाईयों को नियंत्रित करने वाली काननी व्यवस्था के रूप में मृत्युदंड पर ध्यान केंद्रित किया है। मृत्युदंड के संदर्भ में, उपर्युक्त चर्चा के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपराधिक न्याय प्रणाली में मृत्युदंड के पक्ष और विपक्ष में तर्क क्या हैं?

(b) क्या आपको लगता है कि आधुनिक सभ्य समाज में मृत्युदंड का कोई स्थान है? इसे दिए जाने में शामिल नैतिक निहितार्थों के संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

उपर्युक्त केस स्टडी में मृत्युदंड की औचित्यता, ऐतिहासिकता तथा वर्तमान तर्कसंगतता को बताने का प्रयास किया

गया है

(a) आपराधिक न्याय प्रणाली के अंतर्गत विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अधीन अगर तदनुसार कोई अपराध किया जाता है, तो न्यायपालिका संबंधित कानूनों के तहत दोषी को मृत्युदंड देने हेतु प्रक्रिया अपनाती है।

मृत्युदंड के पक्ष में तर्क

- गंभीर तथा दुर्लभतम मामलों में कठोर दंड सुनिश्चित करना
- पीड़ित को पूर्ण न्याय देने हेतु आवश्यक
- अपराधियों को ऐसे अमानवीय कृत्यों हेतु हतोत्साहित करने की सोच
- सामाजिक समरसता तथा सद्भाव हेतु न्याय दिखने को बढ़ावा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- ~~अपने~~
- दूसरों के अधिकारों के हनन को रोकने में सहायक
- अपराधियों के मन में डर बनाना
- समाज में शांति तथा न्याय सुनिश्चित करना

मृत्युदंड के विपक्ष में तर्क

- सभ्य समाज में इसके विरुद्ध जनमत सोच
- न्याय में कुछ त्रुटि इंगित होने पर उसे सुधारने की विकल्पता का अभाव
- अनेक विकसित देशों में मृत्युदंड प्रथा को बंद किया जाना
- ~~जब~~ मानव की जान लेने पर प्राकृतिक नियमों/मूल्यों का हनन
- समाज में ऐसे अपराधियों के प्रति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

घृणा की जगह दया की भावना पनपने की आशंका

– सुधारात्मक न्याय की जगह प्रतिक्रियात्मक न्याय का बढ़ावा

(b) हालांकि, कई विकसित देशों द्वारा अपने न्याय प्रणाली से मृत्युदंड को बाहर किया गया है, लेकिन भारत सहित कई देश अभी भी मृत्युदंड व्यवस्था को मानते हैं।

मृत्युदंड के विपक्ष के तर्कों के अनुरूप इस दिशा में एक व्यापक तथा समग्र विचार-विमर्श की आवश्यकता है। इस संबंध में हालांकि, पहले की ही न्यायपालिका द्वारा दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों की कसौटी का परीक्षण भारत में किया जा रहा है।

समान में न्याय तथा शांति–

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्थिति बनाए रखने हेतु तथा पीड़ितों को पूर्ण न्याय दिलाने हेतु अपराधियों को कठोरतम दंड देना आवश्यक है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है।

हालांकि मृत्युदंड के संदर्भ में अंतिम विकल्पों तक जाना चाहिए तथा अपराधियों को अपना पक्ष रखने एवं गहराई से न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। इस दिशा में दुर्लभ से दुर्लभतम औचित्यता पर और मानक जोड़ने हेतु ध्यान दिया जा सकता है।

——— × ———

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. An Indian company is active in the telecom sector and is the majority owner of a telecom company based in other geographies across the world. At one of its European headquarters, there emerged whistleblowing allegations that a local executive was bribing local government officials in order to obtain telecom cabling and construction contracts from the local government. The kickbacks were allegedly paid through a third-party consultant. More specifically, there were allegations that the executive, the third party, and a government official had some sort of business interest in common, possibly shareholdings in a limited company or the joint ownership of an undisclosed asset. The company is thought to be particularly close to the ruling dispensation in India and the news has now raised pressure to put its business operations in India under scanner as well. In this context, answer the following questions:

(a) What are the ethical challenges in the given case?

(b) Identify the different stakeholders and their interests.

(c) As the CEO of the firm, how would you respond to the given situation?

(20)

एक भारतीय कंपनी दूरसंचार क्षेत्र में सक्रिय है और विश्व भर के अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित एक दूरसंचार कंपनी के अधिकांश शेयरों की स्वामी है। इसके यूरोपीय मुख्यालयों में से एक में, यह आरोप लगाया गया है कि एक स्थानीय कार्यकारी अधिकारी स्थानीय सरकार से दूरसंचार केबल बिछाने और निर्माण अनुबंध प्राप्त करने के लिए स्थानीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दे रहा था। कथित तौर पर एक तीसरे पक्ष के सलाहकार के माध्यम से घूस दी गई थी। विशेष रूप से, ऐसे आरोप लगाए गए हैं कि कार्यकारी अधिकारी, तीसरे पक्ष और एक सरकारी अधिकारी के बीच किसी प्रकार का साझा व्यावसायिक हित, संभवतः एक सीमित कंपनी में शेयरधारिता या किसी अज्ञात संपत्ति का संयुक्त स्वामित्व विद्यमान है। उक्त कंपनी को विशेष रूप से भारत में सत्तारूढ़ व्यवस्था के निकट माना जाता है और इस आरोप ने अब इसके भारत में संचालित व्यापार को भी जांच के दायरे में लाने का दबाव बढ़ा दिया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) दिये गये प्रकरण में शामिल नैतिक चुनौतियां क्या हैं?

(b) विभिन्न हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

(c) उक्त कंपनी के एक सी.ई.ओ. के रूप में, आप दी गई स्थिति में किस प्रकार प्रत्युत्तर देंगे?

उपरोक्त मामले में पेशेवर नैतिकता तथा श्रद्धाचार हेतु सार्वजनिक-निजी साँठगाँठ को दर्शाया गया है इसमें राजनीतिक संलिप्तता का भी आयाम है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

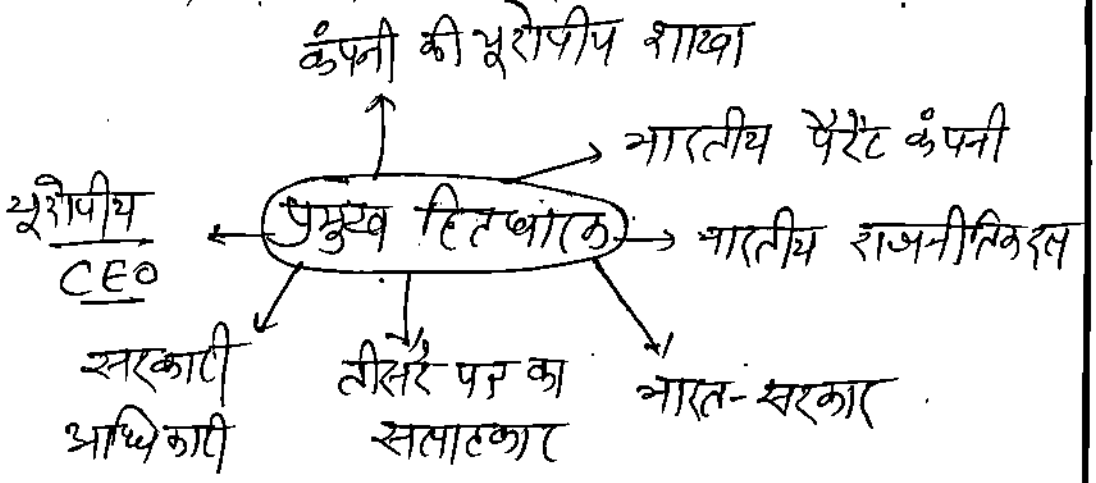

~~हितधारकों के हित~~

(a) **प्रकरण में शामिल नैतिक चुनौतियां**

- पेशेवर नैतिकता
- सार्वजनिक सेवा निष्पादन में भ्रष्टाचार
- लोकसेवकों की अवैध संलिप्तता
- व्यवसायिक हितों की प्राप्ति हेतु अवैध तथा गैरकानूनी रास्तों का चयन
- बेनामी संपत्ति तथा अवैध लेनदेन आधारित मनी-लॉन्ड्रिंग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- शैल कंपनियों का निर्माण
- सार्वजनिक सेवा प्रदायगी में गुणवत्ता का मुद्दा
- जांच तथा प्रवर्तन एजेंसियों में अंतरीय समन्वय बनाना

(b) **विभिन्न हितधारकों के हित**

- व्यवसायिक कंपनी की यूरोपीय शाखा द्वारा अनुबंध प्राप्ति से प्राप्त वित्तीय प्रतिफल एवं व्यवसायिक लाभ
- यूरोपीय CEO की आर्थिक लाभ हेतु कंपनी की मूल्यों से समझौता
- सरकारी अधिकारी द्वारा अवैध रूप से धन का सृजन करने की मंशा
- तीसरे पक्ष के सलाहकार द्वारा भ्रष्टाचार में भागीदारी एवं वित्तीय लाभ के बदले अपने सलाहकारी पेशेवर नैतिकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का उल्लंघन

- भारतीय पैरेंट कंपनी के अंतर्राष्ट्रीय साख एवं कॉरपोरेट मूल्यों के प्रति जवाबदेहिता पर प्रश्नचिह्न.

- भारत सरकार पर आँच आने का दबाव ताकि भारतीय व्यवसायिक संचालन में अनियमितता का पता लगाना।

(c) उक्त कंपनी के CEO होने के नाते मेरी पूरे वैश्विक व्यापारिक हितों हेतु जवाबदेही एवं प्रतिबद्धता है। इस संदर्भ में मेरा दृष्टिकोण निम्न रहेगा। →

(1) सर्वप्रथम आंतरिक जाँच हेतु एक समिति का गठन जिसमें भारतीय शाखा से कार्यबल, स्वतंत्र ऑडिट संस्था होने का समावेश रहेगा।

(2) यूरोपीय CEO को प्राथमिक जाँच

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ भी लिखें)

संपादित होने तक कार्यकारी या भूमिका से निलंबन, हालांकि वे गैर-कार्यकारी CEO बने रहेंगे। इससे कंपनी की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो-टॉलरेंस नीति दिखती है जोकि कॉरपोरेट गवर्नेंस संबंधी मानकों के समतुल्य है।

(3) संबंधित सरकार के साथ समन्वय बनाकर जांच में पूरे सहयोग एवं समर्थन देना

(4) जांच में संलिप्तता उजागर होने पर यूरोपीय CEO की बर्खास्तगी तथा कानून सम्मत कार्रवाई हेतु एजेंसियों से सहयोग

(5) भारतीय पैरेंट कंपनी के अंदर संलिप्तता की जाँच का भी समर्थन

कंपनी का दीर्घकालिक सतत लाभ तभी सुनिश्चित रहेगा जब कॉरपोरेट गवर्नेंस के मानक उपरोक्त कदम के अनुरूप प्राप्त किये जा सकेंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Sunil has been posted as a DM in a hilly district which is vulnerable to several natural disasters. The district is known for a pilgrimage site and is frequently visited by tourists from all over India. The major occupation of locals therefore lies in the hospitality business. Unfortunately, after a few days of his joining, the district faced a major earthquake. It has led to high casualties and damages to the essential infrastructure such as roads and bridges. Both locals and tourists are trapped at different routes and locations. An international convoy of dignitaries from a neighboring country which has come to pay their obeisance at the pilgrimage site, is also trapped due to the disaster. Because of this, Sunil has to divert most of the available resources in the rescue operation of the foreign dignitaries. People are emotionally distressed due to the disaster, and delayed response from authorities to their needs has led to a law-and-order situation in the district. People from other states whose families are trapped and need immediate assistance are also getting restless and flooding the emergency helplines with complaints and requests.

(a) Discuss the issues being faced by Sunil in the given scenario.

(b) Mention a course of action that Sunil must take to maintain law-and-order as well as to expediate rescue operations of all concerned. **(20)**

सुनील को अनेक प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सुभेद्य एक पहाड़ी जिले में डी.एम. के रूप में पदस्थापित किया गया है। यह जिला एक तीर्थ स्थल के लिए प्रसिद्ध है और अक्सर यहां पूरे भारत के पर्यटकों द्वारा यात्रा की जाती है। इसलिए, स्थानीय लोगों का प्रमुख कारोबार आतिथ्य व्यवसाय से संबंधित है। दुर्भाग्य से, उसके पदस्थापित होने के कुछ दिनों के बाद, जिले को एक बड़े भूकंप का सामना करना पड़ा। इससे अनेक लोगों की मृत्यु तथा सड़कों और पुलों जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को भारी क्षति हुई है। स्थानीय लोग और पर्यटक दोनों अलग-अलग मार्गों और स्थानों पर फंसे हुए हैं। तीर्थस्थल पर आए पड़ोसी देश के गणमान्य व्यक्तियों का एक अंतर्राष्ट्रीय काफिला भी आपदा के कारण फंस गया है। इस वजह से सुनील को अधिकांश उपलब्ध संसाधनों को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के बचाव अभियान में लगाना है। आपदा के कारण लोग भावनात्मक रूप से व्यथित हैं और इनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अधिकारियों की विलंबित प्रतिक्रिया ने जिले में कानून-व्यवस्था के लिए प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न कर दी है। अन्य राज्यों के लोग जिनके परिवार फंस गए हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है, वे भी व्याकुल हो रहे हैं तथा आपातकालीन हेल्पलाइन पर शिकायतों और अनुरोधों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हो गई है।

(a) दिए गए परिदृश्य में सुनील द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ सभी संबंधित लोगों के बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए सुनील द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का उल्लेख कीजिए।

इस केस स्टडी में डीएम के समक्ष आपदा बचाव कार्यों में प्राथमिकता का निर्धारण करना एवं संतुलन बनाते हुए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

त्वरित तथा प्रभावी बचाव अभियान संचालन का मुद्दा है।

प्रमुख हितधारक

- सुनील (डीएम के रूप में)
- स्थानीय लोग, जिनकी आजीविका तथा रहनसहन पर्यटन पर निर्भर
- तीर्थयात्री
- बाहरी राज्यों में रहनेवाले तीर्थयात्रियों का परिवार
- पड़ोसी देश के गणमान्य व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय काफिला
- सरकारी एजेंसियां
- राज्य तथा केंद्र सरकार

(9) **सुनील द्वारा सामना किये जा रहे मुद्दे**

- नये जिले में पदस्थापना है वहां की भौगोलिक परिस्थितियों से पर्याप्त समझ का अभाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- नयी पदस्थापना के फलस्वरूप स्थानीय प्रशासनिक मशीनरी के साथ बेहतर तथा प्रभावी जुड़ाव एवं तालमेल में कमी
- भूकंप से लोगों की मृत्यु के कारण अर्क राहत-बचाव कार्यों तथा अंतिम संस्कार के मध्य समन्वय संबंधी जटिलता
- बुनियादी ढांचे की क्षति से समय पर एवं त्वरित गति से राहत एवं बचाव कार्यों में लगे मानव-संसाधन तथा लॉजिस्टिक्स की गतिशीलता प्रभावित होना
- पड़ोसी देश के गणमान्य व्यक्ति के फँसे होने से अंतर्राष्ट्रीय संबंध तथा वैश्विक दबाव का आयाम
- उपरोक्त गणमान्य के बचाव अभियान में ज्यादातर संसाधन तथा मशीनरी लगने से स्थानीय आबादी तथा तीर्थयात्रियों के राहत-बचाव कार्यों पर प्रभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- पीड़ितों के परिवारों के शिकायतों तथा अनुरोधों की बढ़ती संख्या को संभालने में संसाधन, मशीनरी तथा क्षमता में कमी का मुद्दा

- कानून व्यवस्था बनाये रखने की चुनौती क्योंकि राहत-बचाव कार्यों में विलंब से जनता के गुस्से के संचार की आशंका

- आवश्यक वस्तुओं तथा सेवाओं की पर्याप्त उपलब्धता के साथ-2 खाद्य एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर पहुँच बनाने की चुनौती

(b) डीएम के रूप में प्राथमिक कार्य राहत-बचाव कार्यों में तेजी लाते हुए कानून-व्यवस्था बनाये रखना है। इस संबंध में सुनील की कार्यवाहि →

(1) उपलब्ध संसाधनों एवं मानव संसाधन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की संख्या तथा क्षमता का त्वरित आंकलन करके प्राथमिकता आधारित क्षेत्रों का चयन

- अंतर्राष्ट्रीय दल को सुगम जगह पहुंचाने संबंधी कार्यों हेतु अलग टीम का निर्धारण
- NDMA, SDMA का प्रभावी उपयोग
- स्थानीय क्षमता का लाभ उठाकर तथा स्थानीय समुदाय से सहायता लेकर त्वरित पहुंच बनाना
- मानव संसाधन तथा लॉजिस्टिक्स कमी संबंधी समस्या आने पर राज्य सरकार तक तुरंत सहायता अनुरोध करना
- NCC कैडेट, NSS स्वयंसेवक, NGO तथा अन्य संगठित समूहों की सहायता से भोजन तथा स्वास्थ्य देखभाल में तीव्रता

उपरोक्त के अनुरूप भावनात्मक बुद्धिमता के साथ त्वरित तथा तीव्र आपदा राहत उपाय अपनाये जा सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are posted as a Customs official in one of renowned port cities of India. Your team has recently intercepted a consignment having over 5000 kilograms of red sandalwood. Red Sandalwood, also known as Red Sanders, is a prohibited item for export and is covered under the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES) list and hence you detained a few individuals for their alleged involvement in trying to smuggle it to another country. .

However, you later come to know that these people are working for an influential businessman with close ties to the ruling party of the state. Your seniors in the department have verbally instructed you not to register any compliant as yet. You are fearful that a deal will be struck between the businessman and a few corrupt officers of your department and the detained persons will be freed. You are ready to go ahead and file the complaint but at the same time are also fearful of departmental action against you if you disobey your seniors.

(a) What are the various options available to you in the given case? Evaluate the merits and demerits of each of these.

(b) Also indicate (without necessarily restricting to the above options) your course of action and the reasons for the same. **(20)**

आप भारत के एक प्रसिद्ध बंदरगाह शहर में सीमा शुल्क अधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं। आपकी टीम ने हाल ही में 5,000 किलोग्राम से अधिक लाल चंदन की एक खेप को पकड़ा है। लाल चंदन, जिसे-रेड सैंडर्स-के रूप में भी जाना जाता है, जो निर्यात के लिए एक निषिद्ध वस्तु है तथा इसे वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (CITES) के तहत शामिल किया गया है। इसलिए आपने कुछ व्यक्तियों को इसे दूसरे देश में स्मगल करने में उनकी कथित संलिप्तता के कारण हिरासत में लिया है। हालांकि आपको बाद में पता चलता है कि ये लोग एक प्रभावशाली व्यवसायी के लिए कार्य कर रहे हैं, जिसके राज्य के सत्ताधारी दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। विभाग में आपके वरिष्ठों ने आपको मौखिक रूप से निर्देश दिया है कि आप अभी कोई शिकायत दर्ज न करें। आपको डर है कि उक्त व्यवसायी और आपके विभाग के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के बीच सौदा हो जाएगा तथा हिरासत में लिए गए व्यक्ति मुक्त हो जाएंगे। आप आगे बढ़कर शिकायत दर्ज करने के लिए तैयार हैं, लेकिन साथ ही अपने वरिष्ठों की अवज्ञा करने पर आपके विरुद्ध की जाने वाली विभागीय कार्रवाई से भी डरे हुए हैं।

(a) प्रदत्त प्रकरण में आपके सामने कौन-से विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक के गुण-दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(b) साथ ही, अपनी कार्रवाई और उसके लिए कारणों को भी (उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना) इंगित कीजिए।

उपरोक्त केस स्टडी में तस्करी तथा राजनीतिक - व्यवसायिक गठजोड़ से युक्त मामले को संदर्भित किया गया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

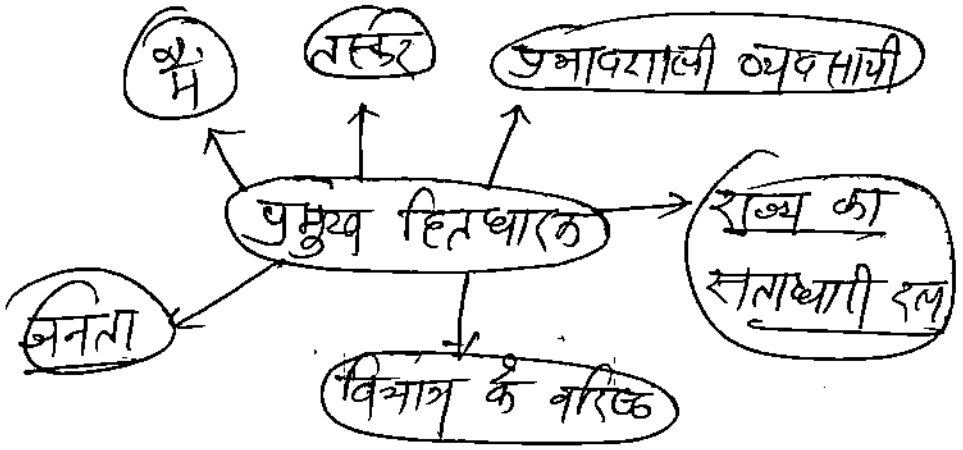

(c) प्रस्तुत विकल्प तथा उनके गुण-दोष

1 शिकायत दर्ज करना तथा तस्कर की हिरासत में लेते हुए विधिसम्मत कार्रवाई को बढ़ाना

गुण
- (i) पेशेवर नैतिकता का पालन
- (ii) विधि के शासन का महत्व
- (iii) नैतिक मानदंडों के अनुरूप
- लोकसेवक की कर्तव्यपरायणता तथा तटस्थता के अनुरूप

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष
- (i) विभागीय वरिष्ठों की सलाह की अनदेखी
- (ii) राजनीतिक दल का विरोध की आशंका

विकल्प 2 शिकायत फिलहाल ना दर्ज करते हुए वरिष्ठों के आदेश/निर्देश का इंतजार

गुण
- (i) विभागीय समन्वयता को प्रोत्साहन
- (ii) आज्ञाकारिता तथा अनुपालन
- (iii) ज्यादा बेहतर कानूनी राय

दोष
- (i) दोषी व्यक्ति द्वारा भागने/छूटने की आशंका
- (ii) पेशेवर नैतिकता के विरुद्ध
- (iii) कानून प्रवर्तन में देरी होना

विकल्प ③ मामला मीडिया तक पहुँचाना ताकि गिरफ्तारी संबंधी दबाव का निर्माण हो सके

गुण — (i) कानूनी मानकता बनाये रखने में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सहायक
— (ii) दोषी को दंड दिलवाने संबंधी सोच
— (iii) मीडिया के माध्यम से जागरूकता तथा जनसमर्थन आधारित दबाव का निर्माण

दोष
- (i) शासकीय गोपनीयता के विरुद्ध
- (ii) विभागीय जाँच की आशंका
- (iii) स्थानांतरण या निलंबन का खतरा

(b) मेरी कार्रवाई तथा अंतर्निहित कारण

— कानून का पालन कराना मेरा प्राथमिक दायित्व, एक लोकसेवक होने के नाते है। अतः मैं FIR दर्ज करने संबंधी राय को विभागीय स्वीकृति हेतु लिखित रूप से प्रेषित करूंगा

— उपरोक्त से विधि के शासन को वैधता मिलेगी। कानून-प्रवर्तन एजेंसियों का डर अपराधियों में आयेगा तथा शासन-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा सुनिश्चित होगी।

- लिखित राय मांगने से वरिष्ठ अधिकारियों की भी जवाबदेहिता सुनिश्चित हो सकेगी तथा वे अपने आदेश/निर्देश के प्रति वस्तुनिष्ठ बनने का प्रयास करेंगे।

- मेरी कर्तव्यपरायणता बरकरार रहेगी जिससे स्वाधीनताओं का मनोबल बढ़ेगा।

- शासन में न्याय को बढ़ावा देकर लोकतंत्र में जन-विश्वास को सुदृढ़ करने में सहायता

तदनुसार विधिसम्मत कार्यवाही को बढ़ावा देकर एक आदर्श प्रतिमान बनाया जा सकेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are the Superintendent of Police (SP) in a district. One of your subordinates informs you that a girl has reached out to him and complained about a potential death threat to her and her boyfriend who belongs to another caste. Both the families are averse to their union. She has also informed that the local police station is neither filing any complaint nor giving her any assurance of protection. The girl belongs to the dominant caste of the region and her father is a prominent local leader of the party which is in power in the state. On further enquiry, you come to know that both the girl and her boyfriend are adults. They have moved out of the house and have started living together. This has further angered both the families and they are accusing each other of abduction. In the given scenario, answer the following questions:

(a) Bring out the ethical dilemma faced by the you.

(b) What would be a suitable course of action to resolve the issue?

(c) At times, such instances lead to violence and may end up in honour killings. Discuss the reasons behind their social acceptance in parts of India despite the legal sanction against them. **(20)**

आप एक जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के पद पर तैनात हैं। आपके अधीनस्थों में से एक ने आपको सूचित किया है कि एक लड़की ने उसके पास संपर्क करते हुए उसे और उसके प्रेमी, जो दूसरी जाति से संबंधित है, को जान से मारने की धमकी के बारे में शिकायत की है। दोनों परिवार उनके साथ रहने के खिलाफ हैं। उसने यह भी बताया है कि स्थानीय थाना न तो कोई शिकायत दर्ज कर रहा है और न ही उसे सुरक्षा का कोई आश्वासन दे रहा है। वह लड़की उस क्षेत्र की प्रभावशाली जाति से संबंधित है और उसके पिता सत्तारूढ़ दल के एक प्रमुख स्थानीय नेता हैं। आगे की पूछताछ में, आपको पता चला है कि लड़की और उसका प्रेमी दोनों वयस्क हैं। वे घर से बाहर चले गए हैं और साथ रहने लगे हैं। इससे दोनों परिवारों में और अधिक नाराजगी उत्पन्न हो गई है और वे एक-दूसरे पर अपहरण का आरोप लगा रहे हैं। दिये गये परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपके द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा को स्पष्ट कीजिए।

(b) इस समस्या के समाधान हेतु कार्रवाई का एक उपयुक्त तरीका क्या होगा?

(c) कभी-कभी, ऐसे उदाहरण हिंसा का कारण बनते हैं और ऑनर किलिंग में परिणित हो सकते हैं। इसके ख़िलाफ़ कानूनी प्रतिबंध होने के बावजूद, भारत के कुछ हिस्सों में इसकी सामाजिक स्वीकृति के पीछे उत्तरदायी कारणों पर चर्चा कीजिए।

उपर्युक्त केस स्टडी में अंतर्जातीय विवाह से संबंधित मुद्दों के साथ-2 प्रशासनिक आयाम भी शामिल है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

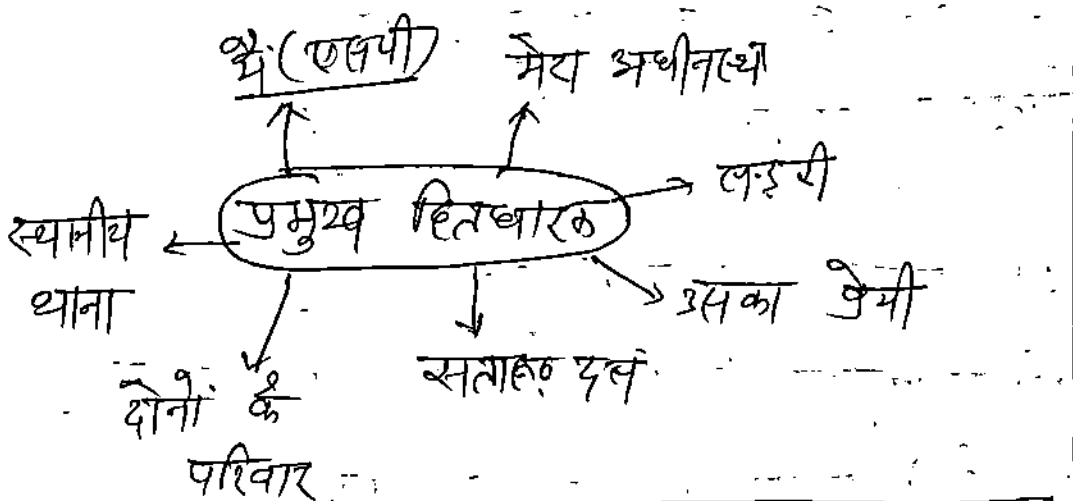

(9) मेरे द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा

- मौखिक शिकायत बनाम प्रत्यक्ष शिकायत
- अंतर्जातीय विवाह संबंधी स्थानीय क्षेत्र की सामाजिक सोच बनाम कानूनी पक्ष
- स्थानीय थाने की अनुक्रियाशीलता संबंधी नकारात्मकता बनाम इनके वरिष्ठ के रूप में मेरी भूमिका
- अपहरण के आरोप बनाम मामले की सच्चाई
- कर्तव्यपरायणता बनाम सताड़ दल की नाराजगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) उपरोक्त समस्या में कार्यवाई का उपयुक्त तरीका

- सर्वप्रथम लिखित शिकायत हेतु माँग करना (परिवार से अपहरण के संदर्भ में) ताकि संस्थागत रूप से मामले की जाँच-पड़ताल की जा सके

- लिखित शिकायत मिलने के बाद

→ (1) जाँच-अधिकारी नियुक्त करके तीव्र अनुसंधान करवाना

(2) पीड़ित पक्ष को पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षा मुहैया करवाना ताकि ऑनर कीलिंग जैसी घटना ना हो

(3) ~~वरिष्ठ~~ सत्तारूढ़ दल के नेता की संलिप्तता के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों ~~से~~ को लिखित सूचना देकर सलाह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं मार्गदर्शन की मांग करना

(5) तदनुसार न्यायालय में मामले के उचित निष्पादन में सहयोग करना

लिखित शिकायत प्राप्ति नहीं की स्थिति में

- ऑनर किलिंग की आशंका के मद्देनजर तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए पूर्व क्रियात्मक कदम के रूप में घटना की तथ्यात्मक जाँच-पड़ताल हेतु टीम का गठन

- पेयी युगल की खोजबीन करके उनकी स्थिति तथा पक्ष जानना तथा उनको अगर धमकी मिल रही हो, तब लिखित शिकायत हेतु प्रेरित करना

स्थानीय थाने की गैर-पेशेवर रवैये के चलते एसपी के नाते मैं थाने की भूमिका की भी जाँच करवाऊँगा। साथ ही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पीड़ितों को त्वरित तथा कानूनी सहायता प्रदान करने में सहायता का बढ़ावा देना।

(c) **ऑनर किलिंग की सामाजिक स्वीकृति के पीछे उत्तरदायी कारक**

- जाति व्यवस्था की कठोरता के प्रति स्थानीय समुदायों की दृढ़ पारंपरिक सोच तथा मान्यता
- अशिक्षा का प्रभाव
- व्यक्तिगत राय तथा विश्वास की जगह सामाजिक लांछन लगने का डर
- कठोरतम दंड सुनिश्चित ना कर पाने संबंधी प्रशासनिक-न्यायिक अक्षमताएँ तथा विलंबता

प्रभावी सामाजिक जागरूकता तथा कानूनी उपायों के समन्वय से ऑनर किलिंग जैसी कुरीतियों पर लगाम लगाया जाना चाहिए।